मानसून से पहले की बारिश भी नहीं झेल पाई सड़क, ग्रामीणों में रोष

सूरतगढ़ के भागवानसर में घटिया निर्माण सामग्री से सड़क बनाने का आरोप

सूरतगढ़, (निसं)। उपखंड के गांव भगवानसर में एक महीने पहले बनी इंटरलॉकिंग सड़क और नवनिर्मित सिंचाई खाले का मानसून से पहले की बरसात में ही घोर लापरवाही और घटिया निर्माण सामग्री के चलते जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो गई। इस सड़क का हाल यह था की देर रात्रि को हुई बरसात की वजह से अनेकों जगह पर गड्ढे नजर आए। वहीं तूफानी बारिश के कारण नवनिर्मित सिंचाई पानी का खाला भी क्षतिग्रस्त हो गया।

गांव के लोगों का कहना है कि एक महीने पहले ही 9.60 रूपये लाख की लागत से भगवानसर में इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण करवाया गया था। इसका निर्माण भगवानसर गांव की ही पूर्व दिशा की फिरनी में राजेंद्र सिंह के घर से गुरजंट सिंह के घर की ओर योजना एसएफसी-5 में निर्माण करवाया गया था। इस इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण ग्रामीणों के चलने की सुविधा के लिए किया गया था।

साथ ही किसानों के लिए सिंचाई पानी हेतु भी खाले का निर्माण किया गया था। लेकिन ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य में घटिया सामग्री और लापरवाही के चलते इंटरलॉकिंग सड़क के साथ-साथ खाला भी बारिश के पानी में बह गया। ग्रामीणों ने बताया कि जब सड़क निर्माण कार्य चल रहा था उस समय भी उन्होंने सड़क ठेकेदार को मिट्टी जमाने के लिए कहा था। लेकिन ठेकेदार ने लापरवाही से निर्माण कार्य जारी रखा। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि मिस्त्री की जगह मजदूरों से ही निर्माण कार्य करवाया गया था। जिसका परिणाम आज इस इंटरलॉकिंग सड़क पर सामने आ गया। सड़क के आसपास घरों में रहने वाले ग्रामीणों ने बताया कि मानसून पूर्व की बरसात में ही सड़क धंसने के कारण आवागमन भी बाधित हो गया है।

- **लोगों का कहना है कि एक महीने पहले ही 9.60 रूपये लाख की लागत से भगवानसर में इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण करवाया गया था**

कुछ ऐसी ही हालत उपखंड के गांव 7 एसजीएम में नजर आई जहां 2 माह पहले बनी इंटरलॉकिंग सड़क भी घटिया निर्माण सामग्री के कारण पानी में बह गई। यहां भी ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण जयदीप लिंबा, मनदीप सिंह, विनोद शर्मा ने कहा कि कार्य में लापरवाही बरती गई है। स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि कार्य में जमकर भ्रष्टाचार हुआ है। जिस कारण किसानों और ग्रामीणों को अब परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

हरीकृष्ण सिहाग, एईएन, पंचायत समिति, सूरतगढ़ का कहना है कि मामला ध्यान में आया है। बरसात के कारण सड़कें धंस गई हैं। जेईएन को भेजकर मूल्यांकन करवाते हुए पंचायत सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी को जल्द सही करवाने के निर्देश दिए हैं।

मालपुरा पथराव के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

गुर्जर मौहल्ले में 23 अप्रेल को उपद्रवियों द्वारा मकानों पर किये गये पथराव का मामला

मालपुरा, (निसं)। शहर के पुरानी तहसील गुर्जर मौहल्ले में 23 अप्रेल की शाम उपद्रवियों द्वारा गुर्जर समाज के मकानों पर किये गये पथराव मामले में मालपुरा थाना पुलिस टीम ने जरिए मुखबीर की सूचना पर सोमवार को एक और आरोपी को गांधी पार्क से गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी भूराराम खिलेरी ने बताया कि 23 अप्रेल की शाम तकरीबन 4 बजे तेज रफ्तार में बाइक दौड़ाने का उलाहना देने पर शरारती तत्वों द्वारा सोशल मीडिया पर एक धार्मिक स्थल को नुकसान पहुंचाने की झूठी सूचना वायरल कर लोगों को उकसाह बड़ी संख्या में भीड़ के साथ गुर्जर मौहल्ले में उपद्रवियों द्वारा जमकर पथराव करते हुए घरों में घुसकर जानलेवा हमला व मारपीट की।

गिरफ्तार आरोपी सोहेल

जिसमें तकरीबन डेढ दर्जन से अधिक महिला-पुरूष घायल हो गये थे। पुलिस की कार्यवाही में पूर्व में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जो कि न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे हैं। सोमवार को मुखबीर की सूचना पर एक और आरोपी युवक सोहेल पुत्र आशिक अली घडीवाला निवासी गांधी पार्क को गिरफ्तार किया गया। वहीं थानाधिकारी ने बताया कि आपस में लडाई-झगडा कर शांतिभंग किये जाने के प्रयास में युवक राकेश पुत्र सूरजमल बैरवा निवासी अम्बापुरा व राजेश पुत्र मोहन लाल बैरवा निवासी कांटोली, मेवालाल पुत्र मोहन लाल बागरिया निवासी ईंटाखोई थाना दूदू व आफताब उर्फ फैशल खान नागोरी निवासी पुरानी तहसील नागोरी मौहल्ला को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

दसवीं बोर्ड के रिजल्ट में 11 बच्चों में से 10 फेल

यह बात जब बच्चों के अभिभावकों व गांव वालों को पता चली तो स्कूल गेट पर ताला लगाया

किशनगढ़ बास के गांव न्याणा के राजकीय प्रवेशिका संस्कृत स्कूल में जांच करते अधिकारी।

- **किशनगढ़ बास के न्याणा गांव के राजकीय प्रवेशिका संस्कृत स्कूल का मामला**
- **2021 में सरकार ने स्कूल को क्रमोन्नत किया, फिर भी आज तक विभाग ने शिक्षक नहीं लगाए**
- **शिक्षा विभाग में मचा है हड़कंप, जयपुर से जांच के लिए पहुंचा अधिकारियों का दल**
- **स्कूल में 150 छात्र संख्या है और पढ़ाने वाले प्रधानाध्यापक सहित कुल 6 टीचर हैं**

किशनगढ़ बास, (निसं)। गांव के स्कूल में जब पढ़ाने वाले टीचर ही नहीं होंगे तो बोर्ड के एग्जाम में बच्चे फेल नहीं होंगे तो क्या पास होंगे। जब 2021 में सरकार ने स्कूल को क्रमोन्नत कर दिया तो फिर शिक्षक आज तक विभाग ने क्यों नहीं लगाए। अब सवाल यह नहीं है कि बच्चे फेल हो गए बात यह है कि बच्चों के भविष्य के साथ जो खिलवाड़ किया गया है, क्या उसके लिए केवल स्कूल में कार्यरत शिक्षक और प्रधानाध्यापक दोषी हैं? दो दिन पहले दसवीं बोर्ड के रिजल्ट घोषित होने पर उपखंड के न्याणा गांव के राजकीय प्रवेशिका संस्कृत स्कूल में कक्षा 10 में पढ़ने वाले 11 बच्चों में 10 बच्चे फेल हो गए व एक सप्लीमेंट्री आने की बात जब बच्चों के अभिभावकों के साथ गांव वालों को पता चली तो खबर शिक्षा विभाग से लेकर सरकार तक पहुंच गई। गांव वालों ने गुस्से में आकर स्कूल गेट पर ताला लगा दिया गया।

जयपुर संभागीय शिक्षा अधिकारी गोपाल दास जाट व वरिष्ठ उपनिरीक्षक संस्कृत शिक्षा संभाग जयपुर भूपेंद्र पारीक स्कूल में जांच के लिए पहुंचे तो गांव वालों ने स्कूल गेट का ताला खोला और मौजूद शिक्षकों व गांव वालों से जानकारी ली और जांच कर स्कूल का रिकॉर्ड साथ में ले गए। इस दौरान मेवात सदर शेर मोहम्मद सहित गांव के लोगों ने स्कूल प्रबंधन पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया और पूरे स्टाफ को बदलने की मांग रखी। स्कूल में 150 छात्र संख्या है और पढ़ाने वाले प्रधानाध्यापक सहित कुल 6 टीचर हैं।

जयपुर संभागीय शिक्षा अधिकारी गोपाल दास जाट ने बताया कि गांव न्याणा के संस्कृत स्कूल के 10 वीं क्लास का रिजल्ट जीरो आने पर स्कूल के 10 वीं बोर्ड का रिकॉर्ड की जांच की गई रिकॉर्ड में खामियां मिली है। खामियां नोट कर ली 10 वीं बोर्ड का रिकॉर्ड भी साथ लेकर आए हैं। जयपुर पहुंचकर डायरेक्टर को रिपोर्ट करेंगे कारवाई शीघ्र ही अमल में लाई जाएगी। स्कूल के प्रधानाध्यापक कैलाश चंद गुप्ता ने बताया कि सूचना मिली कि शिक्षा विभाग के अधिकारी जांच के लिए आ रहे हैं तो हम स्कूल पहुंचे थे। शिक्षा अधिकारी पहुंचे जब तक ऑनलाइन कार्य करना चाह रहे थे कि ग्रामीणों ने विरोध किया और स्कूल के गेट को ताला लगा दिया। हमारे पूरे स्टाफ को बाहर निकाल दिया और जब तक ताला लगाए रखा जब तक की अधिकारी पहुंचे नहीं। अधिकारियों ने समझाइश की ओर ताला खुलवाया।

नशा तस्करी के पैसे से बने मकान को किया ध्वस्त

हिस्ट्रीशीटर उषा छजगरिया के मकान को प्रशासन और पुलिस टीम ने जेसीबी से ध्वस्त किया

श्रीगंगानगर, (निसं)। नशा तस्करी और उसकी खरीद-फरोख्त करने वाले अपराधियों के खिलाफ जिला प्रशासन और पुलिस ने सोमवार को सख्त कार्रवाई की। कार्रवाई के तहत नशा तस्करी से जुड़ी, हिस्ट्रीशीटर उषा छजगरिया के मकान को जिला प्रशासन और पुलिस टीम ने जेसीबी से ध्वस्त कर दिया।

जिला कलक्टर सौरभ स्वामी ने बताया कि नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ जिला प्रशासन और पुलिस टीम की ऐसी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। आज हुई कार्रवाई के तहत नशे के कारोबार से जुड़ी, हिस्ट्रीशीटर उषा छजगरिया के मकान को जिला प्रशासन और पुलिस टीम ने जेसीबी से ध्वस्त कर दिया। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन व जिला पुलिस प्रशासन के संयुक्त अभियान "ऑपरेशन सीमा" (कंबाइंड मिशन अगेंस्ट एडिक्शन ड्रग्स एंड अवेयरनेस) के तहत जहां एक ओर सीमावर्ती क्षेत्रों में निरतंर अभियान चलाकर आमजन और युवाओं को जागरूक किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर नशे के कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ जिला प्रशासन और पुलिस टीम सख्त कार्रवाई भी कर रहा है।

श्रीगंगानगर में नशा तस्करी से जुड़ी हिस्ट्रीशीटर उषा छजगरिया के मकान को जिला प्रशासन और पुलिस टीम ने जेसीबी से ध्वस्त कर दिया। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

जिला पुलिस अधीक्षक परिस देशमुख ने बताया कि उषा छजगरिया पुलिस थाना जवाहरनगर की हिस्ट्रीशीटर है। उसके विरूद्ध 11 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इनमें से 3 प्रकरण एनडीपीएस एक्ट के हैं। हिस्ट्रशीटर उषा छजगरिया का पूरा परिवार लम्बे समय से नशे की तस्करी में लिप्त है। उषा के पति चरणजीत के विरूद्ध भी 5 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं, जिनमें हत्या जैसे जघन्य अपराध शामिल हैं। उषा की बड़ी बेटी चंदा के विरूद्ध 2 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं, जिनमें एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण भी है। उषा की सगी बहिन बिंदिया छजगरिया के विरूद्ध 7 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं, जिनमें से 3 प्रकरण एनडीपीएस एक्ट के हैं।

उन्होंने बताया कि उषा छजगरिया द्वारा बनाया गया दो मंजिला आलिशान मकान अतिक्रमण से निर्मित है। जिला कलक्टर सौरभ स्वामी के आदेशानुसार एसडीएम मनोज मीणा, एवं नगर परिषद आयुक्त कपिल यादव की टीम बनाकर इसके संबंध में जांच कर विधिक कार्यवाही की गई। विधिक कार्यवाही के पश्चात नियमानुसार 5 जून को एसडीएम मनोज मीणा के नेतृत्व में समस्त पुलिस बल जिनमें वृत्ताधिकारी शहर थानाधिकारी जवाहरनगर, पुरानी आबादी, कोतवाली व पुलिस लाईन से अतिरिक्त पुलिस बल द्वारा उक्त अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया। कार्रवाई में जवाहर नगर थानाधिकारी पुलिस चौकी मीरा चौक स्टाफ की भूमिका सराहनीय रही। उन्होंने बताया कि भविष्य में आपराधिक गतिविधियों में लिप्त आदतन अपराधियों की संपत्ति के विरूद्ध ऐसी ही कार्यवाही की जाएगी।

हत्या एवं सबूत मिटाने के आरोपी को आजीवन कारावास

रावतसर, (निसं)। हत्या एवं सबूत मिटाने के प्रकरण में स्थानीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेंद्र चौधरी ने आरोपी राजाराम उर्फ राजू पुत्र लीलूराम निवासी धन्नासर, रावतसर को आजीवन कारावास एवं 1.50 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना जमा ना कराने पर आरोपी को 9 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतने के आदेश दिए हैं। प्रकरण के अनुसार पुलिस थाना खुइयां में 25 सितंबर 2020 को परिवादी सुभाष ने मुकदमा दर्ज करवाया कि उसके पिता लीलूराम 6 सितंबर को सुबह 9 बजे अपनी बहन से मिलने शेरपुरा (महाजन) गए थे। अगले दिन 11 बजे वापस पल्लू आ गए थे लेकिन इसके बाद उनकी मौजूदगी का कोई पता नहीं चला।

आस-पास व रिश्तेदारी में भी नहीं मिले। इस पर 14 सितंबर को गुमशुदगी दर्ज कराई। गांव के राजीराम बाना ने अंतिम बार उन्हें पल्लू में देखा था। पता चला कि मेरे भाई के साले राजाराम ने रंजिशवश उसके पिता की हत्या कर शव कहीं डाल दिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज होने पर आरोपी को गिरफ्तार कर बाद अनुसंधान आरोपी के खिलाफ न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया। अभियोजन पक्ष की तरफ से न्यायालय में 20 गवाहों को परीक्षित करवाया गया तथा 56 दस्तावेज प्रदर्शित करवाए गए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद एडीजे राजेंद्र चौधरी ने बचाव पक्ष की दलीलों को अस्वीकार करते हुए आरोपी को भादंसं की धारा 302 में आजीवन कठोर कारावास एवं एक लाख रुपए जुर्माना की सजा तथा धारा 201 के तहत 5 साल के कठोर कारावास व 50 हजार रुपए जुर्माना की सजा सुनाई।

दबिश देकर 27 जनों को पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में फरार चल रहे आरोपियों को पकड़ने के लिए ग्रामीण पुलिस अभियान शिकंजा चला रही है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 27 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें आर्म्स एक्ट की कार्रवाई भी शामिल है। जबकि 8 स्थायी वारंटी को भी गिरफ्तार किया गया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए ऑपरेशन शिकंजा के तहत यह कार्रवाई की गई। कुल 41 टीमें बनाकर आरोपियों के संभावित 246 ठिकानों पर दबिश दी गई।इस दौरान विभिन्न थाना क्षेत्र की टीम ने कार्रवाई करते हुए 8 स्थायी वारंटी को गिरफ्तार किया। ऑपरेशन गार्जियन के तहत दो कार्रवाई की गई। कार्रवाई में 8 फरार आरोपी को पकड़ा गया।

डोडा-पोस्त के साथ तस्कर गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले की रावतसर पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक डोडा पोस्त तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 20 किलो डोडा पोस्त और एक कार जब्त की है। उप निरीक्षक ईमीचंद के नेतृत्व में रावतसर से 12 केडब्लूयूडी जाने वाली सड़क पर चक दो एपीएम के पास पुलिस ने नाकाबंदी कर रखी थी। उसी दौरान एक कार 12 केडब्लूयूडी की ओर से आई और पुलिस नाकाबंदी को देखकर कार ड्राइवर ने कार को भगाने का प्रयास किया। करीब 100 मीटर आगे कार को रुकवा कर तलाशी ली तो कार से 2 थैलों में 20 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ।

पुलिस ने कार ड्राइवर का नाम पूछा तो उसने अपना नाम प्रभु राम पुत्र लेख राम मेघवाल निवासी वार्ड नंबर 36 रावतसर बताया। पूछताछ के दौरान आरोपी प्रभु राम ने बताया कि वह 15 साल से डोडा पोस्त का नशा करता है। पहले पोस्त मिलना बंद हो गया तो उसने मेडिकल नशा करना शुरू कर दिया। कुछ महीने पहले टिब्बी निवासी रफीक से 4 किलो डोडा पोस्ट खरीदा था। जिसमे वह पकड़ा गया और उसके खिलाफ मामला दर्ज हुआ और अभी वह जमानत पर है। जमानत पर और पत्नी के पेट के ऑपरेशन होने के कारण उस पर काफी रुपया खर्च हो गया। इस कारण उसने राजू पुत्र जयदेव सुथार निवासी वार्ड नंबर 31 रावतसर से संपर्क किया। राजू भाप जोधपुर से डोडा पोस्त लेकर आता है। 20- 25 दिन पहले उसने राजू सुथार से 25 किलो डोडा पोस्त खरीदा था।

पानी की टंकी पर चढ़े दो युवक

15 आरोपी गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (कासं)। जिले के टिब्बी क्षेत्र के मेहरवाला गांव में करीब 2 महीने पहले कथित लव जिहाद मामले में कार्रवाई नहीं होने से खफा युवती का भाई और भतीजा गांव में बनी पानी की टंकी पर चढ़ गए।

मामले को लेकर मसीतांवाली चौकी के सामने एक सप्ताह से ग्रामीणों और हिंदू संगठनों का बेमियादी धरना चल रहा है। मामले में कोई कार्रवाई नहीं होने पर लड़की की मां ने नहर में कूदकर सुसाइड करने की कोशिश की थी, लेकिन लोगों ने उसको बचा लिया। इस दौरान बीच लड़की का भाई और भतीजा पानी की टंकी पर चढ़ गए। ग्रामीणों ने टंकी पर चढ़े दोनों लोगों को समझाया, लेकिन वो नहीं माने। विहीप नेता आशीष पारीक ने पुलिस पर युवती को बरामद करने की कोशिश नहीं करने का आरोप भी लगाया।

सूचना मिलने पर संगरिया सीओ प्रतीक मील, तहसीलदार हरीश कुमार टाक, तलवाड़ा झील थानाधिकारी लाल बहादुर चंद्र, टिब्बी थानाधिकारी रविंद्र नरुका, तलवाड़ा नायब तहसीलदार विनोद कड़वासरा भी मौके पर पहुंचे और टंकी पर चढ़े दोनों लोगों को समझाने की कोशिश की, लेकिन सहमति नहीं बन पाई। उन्होंने कहा कि जब तक एसपी या एएसपी मौके पर आकर उनके वार्ता नहीं करते हैं, वो टंकी से नहीं उतरने वाले। उनकी मांगों को मानने पर टंकी से उतरेंगे।

इस अवसर पर धरना स्थल पर विश्व हिन्दू परिषद प्रांत संयोजक आशीष पारीक, कुलदीप नरूका, रजत राव, सुरेंद्र बिश्नोई, विनोद बिश्नोई, लवली कंबोज, भगवाना राम बाजीगर, ओमप्रकाश सहारण, विनोद बुडानिया, विपिन गोदारा, पूर्ण राम बामणिया, सुनील घोटिया, श्याम लाल, इबराम, वार्ड पंच जितेन्द्र, मैनपाल लुहार, हरवंश सिंह मेहरड़ा, मुकेश पोटलिया आदि मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि 1 अप्रैल, 2023 को एक जाति विशेष का लड़का मेहरवाला गांव से एक युवती को बहला-फुसलाकर कर ले गया। इस संबंध में तलवाड़ा झील थाने में गुमशुदगी भी दर्ज करवाई गई थी। इसी मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर टिब्बी एसडीएम ऑफिस के सामने 10 अप्रैल को हिन्दू संगठनों और ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन किया। 16 अप्रैल को मेहरवाला गांव में पंचायत की गई। 27 अप्रैल को एसपी ऑफिस के सामने धरना-प्रदर्शन किया और 5 मई को मसीतांवाली वाली चौराहे पर चक्का जाम प्रदर्शन किया। अब 29 मई से मसीतांवाली हैड चौकी के सामने बेमियादी धरना चल रहा है। ग्रामीणों व हिंदू संगठनों का आरोप है कि मामले में इतने दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

सूरतगढ़, (निसं)। सिटी थाना पुलिस ने रविवार को विभिन्न जगहों पर छापेमारी करते हुए 3 ग्राम स्मैक, 40 हजार रुपए की नगदी के साथ 26 किलो पोस्त और एक कार तथा धारदार हथियार जब्त करते हुए कई लोगों को गिरफ्तार किया। दिनभर की गई इन कार्रवाईयों के संबंध में रविवार देर शाम को ब्रीफ करते हुए सिटी थाना अधिकारी कृष्ण कुमार ने बताया कि एसपी के निर्देश पर पुलिस टीमों ने सूरतगढ़ भोजेवाला लिंक रोड, सूरतगढ़ बीकानेर नेशनल हाईवे संख्या 62 पर पीपेरन होटल, सूर्योदयनगरी इलाके और वार्ड नंबर 5 में दबिश दी। इस दौरान पुलिस टीम ने वार्ड नंबर 4 निवासी विकास उर्फ राहुल पुत्र मदन सिंह को 3 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया।

इसी तरह पुलिस ने पीपेरन निवासी रामप्रताप पुत्र कृष्णलाल को डाकिडा डेर के समीप धारदार हथियार के साथ गिरफ्तार कर उस पर आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज किया है। वहीं, पुलिस की अन्य टीमों ने सूरतगढ़ भोजेवाला लिंक रोड पर पीपेरन रेलवे स्टेशन के समीप कार से 26 किलो पोस्त के साथ पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से मादक पदार्थों की बिक्री के 40 हजार रुपए बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम जेठाराम पुत्र मनफूल और सुनील पुत्र जेठाराम निवासी वार्ड नंबर 7 सूरतगढ़ का निवासी होना बताया। इस पर उन्हें एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों से तस्करी में प्रयुक्त कार भी जब्त कर ली।

प्रागपुरा पी.एच.सी. में आठ महिनों से संसाधनों और स्टाफ का टोटा

गांवों में स्थित इन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की सुध लेने वाला कोई नहीं

पावटा, (निसं)। सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलकर ग्रामीणों को प्राथमिक उपचार की सुविधा मुहैया कराने का दावा भले ही करे, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में जनस्वास्थ्य सेवाओं के लिए मुहैया कराई गई सुविधाएं पंगु दिखाई दे रही हैं।

प्रागपुरा पीएचसी में आठ महिनों से लगातार संसाधनों और स्टाफ का टोटा चल रहा है। पीएचसी के अंतर्गत लगभग 15 हजार से अधिक लोगों की स्वास्थ्य सेवाओं का भार है। लेकिन पीएचसी में चिकित्सक पद रिक्त हैं व तीन नर्सिंग स्टाफ, चार एएनएम, एक एलटी, एक फार्मासिस्ट के भरोसे चल रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पी.एच.सी.) पर चिकित्सक नहीं होने से लोगों को हर दिन निराश होना पड़ रहा है। गांवों में स्थित इन अस्पतालों की सुध लेने वाला कोई नहीं। जिसे लेकर प्रागपुरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में व्याप्त अव्यवस्थाओं के चलते ग्रामीणों का गुस्सा आखिर फूट पडा। गुस्साए ग्रामीणों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया।

गुस्साए ग्रामीणों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया।

- **स्वास्थ्य केंद्र में व्याप्त अव्यवस्थाओं के चलते ग्रामीणों का गुस्सा आखिर फूटा**
- **गुस्साए ग्रामीणों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया**

प्रमोद शर्मा, राजेंद्र पारीक, मोतीराम स्वामी, मनोज सोनी, रूप सिंह शेखावत, राजू सैनी, मनोज बंसल, बजरंग शर्मा, अंकित सैन, रणजीत सिंह, मनीष पटवा, लीलाराम सैनी, ललित सैनी, गणेश सिंघल सहित ग्रामीणों ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पिछले 8 माह से चिकित्सक का पद रिक्त चल रहा है। चिकित्सक के नहीं होने से स्थानीय ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मजबूरी में ग्रामीणों को निजी अस्पतालों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। जिम्मेदारों को कई बार अवगत कराने के बाद भी कोई समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रतिदिन यहां की ओपीडी 500 रहती थी लेकिन अब मात्र 150 रह गई है। छोटी मोटी बीमारी के लिए भी निजी अस्पतालों के चक्कर काट कर लोगों की जेब कट रही हैं।